



सत्यमेव जयते

75
आज़ादी का
अमृत महोत्सव



अंक 3 : जुलाई -सितंबर 2023

राष्ट्रीय जैविक संस्थान समाचार पत्रक



निदेशक महोदय के पटल से



एन.आई.बी. में हमारी प्रतिबद्धता एक सुरक्षित और बौद्धिक रूप से चुनौतीपूर्ण वातावरण प्रदान करने की है ताकि गुणवत्ता नियंत्रण के क्षेत्र में विशिष्टता को बनाए रखते हुए सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद मिल सके। जैविकों के क्षेत्र में होने वाली प्रगति में मानव स्वास्थ्य, कल्याण और आर्थिक विकास में सुधार लाने की क्षमता होती है। एन.आई.बी. ने अपने समर्पित, सुयोग्य और अनुभवी कर्मचारियों, अति उत्साहित अनुसंधान विद्वानों और सहायक स्टाफ के संयोजन के साथ, नए उत्पादों के मूल्यांकन और तकनीकी रूप से व्यवहार्य भावी अनुप्रयोगों के क्षेत्रों की पहचान करने के लिए नियामक क्षेत्र में व्यापक प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने के समग्र उद्देश्य के साथ एक यात्रा शुरू की है।



यह अत्यंत हर्ष की बात है कि श्री सुधांशु पंत, आई.ए.एस, सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने 8 सितंबर 2023 को एन.आई.बी.का दौरा किया और एनआईबी को उनके आगमन की मेजबानी करने का अवसर मिला।

डॉ. हरीश चंद्र, उप निदेशक (क्यूसी) और श्री सुभाष चंद्र, वैज्ञानिक ग्रेड - III ने ग्लासगो, स्कॉटलैंड में आयोजित 17वीं वैक्सिन कांग्रेस में एनआईबी का प्रतिनिधित्व किया।

परंपरा को जारी रखते हुए एनआईबी नोएडा में 21 अगस्त-2023 से 1 सितंबर-2023 तक विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग, झारखंड के 16 पोस्ट ग्रेजुएट जैव प्रौद्योगिकी छात्रों और 02 फैकल्टी सदस्यों के लिए जैविकों की गुणवत्ता नियंत्रण पर दो सप्ताह का आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मुझे अपने कर्मठ स्टाफ पर गर्व है जो अपनी क्षमता और तत्परता का निरंतर प्रयोग करते हुए काम करने के नए तरीकों को अपना रहे हैं।

आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं !!

अनूप अन्वीकर

इस अंक में शामिल सामग्री

| | |
|--|----|
| ❖ रोगाणुहीनता परीक्षण, इंजेक्टेबल जैविकों की सुरक्षा के लिए पैरामीटर | 03 |
| ❖ दौरे ❖ कार्यशालाएं / सम्मेलन / सेमिनार | 06 |
| ❖ प्रशिक्षण | 07 |
| * पुरस्कार सम्मान ❖ आधिकारिक मान्यता ❖ हिन्दी पखवाड़ा | 08 |

संपादकीय टीम

सुश्री वाई. मधु
संपादक

श्री जयपाल मीणा
एसोसिएट संपादक

डॉ मंजुला किरण
एसोसिएट संपादक

सुश्री अपूर्वा आनंद तलवार
एसोसिएट संपादक

रोगाणुहीनता परीक्षण, इंजेक्टेबल जैविकों की सुरक्षा के लिए पैरामीटर



श्री नीरज मलिक,
वैज्ञानिक ग्रेड-II, एन.आई.बी.

माइक्रोबायोलॉजी फार्मास्यूटिकल्स और जैविक उत्पादों के गुणवत्ता नियंत्रण, विशेषकर कच्चे माल और अंतिम उत्पाद के मूल्यांकन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। रोगाणुहीनता परीक्षण बायोफार्मास्यूटिकल्स और जैविक उत्पादों सहित सभी इंजेक्टेबल दवाओं के संबंध में उत्पाद सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण गुणवत्ता नियंत्रण पैरामीटर है। पारंपरिक रोगाणुहीनता परीक्षण में फ्लूइड थियोग्लाइकोलेट मीडियम (एफटीएम) और सियोबीन कैसिइन डाइजेस्ट मीडियम (एससीडीएम) में परीक्षण उत्पादों का टीकाकरण शामिल है और निर्दिष्ट तापमान पर 14 दिनों के इनक्यूबेशन के बाद माइक्रोबियल विकास के कारण किसी भी टर्बिडिटी के लिए मीडिया का विजुअल परीक्षण किया जाता है।

एनआईबी में रोगाणुहीनता परीक्षण प्रयोगशाला एक केंद्रीय परीक्षण सुविधा है; यह गुणवत्ता नियंत्रण के लिए एनआईबी में भेजे गए विभिन्न प्रकार के जैविक नमूनों का परीक्षण करती है। विवरण नीचे तालिका में दिया गया है:

| क्र. सं. | जैविक श्रेणी | प्रत्येक श्रेणी में जैविक उत्पादों की संख्या |
|----------|--------------------------------|--|
| 1. | रक्त उत्पाद प्रयोगशाला | 25 |
| 2. | रीकेम्बिनेंट उत्पाद प्रयोगशाला | 34 |
| 3. | एंजाइम और हार्मोन प्रयोगशाला | 20 |
| 4. | चिकित्सीय एंटीबॉडी प्रयोगशाला | 30 |
| 5. | वैक्सीन और एंटीसेरा प्रयोगशाला | 14 |
| 6. | कोविड किट परीक्षण प्रयोगशाला | 1 |

माइक्रोबियल परीक्षण प्रयोगशाला के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा :

प्रयोगशाला क्षेत्र को अनुसूची एम, 5 के अनुसार रोगाणुहीनता वातावरण में वर्क बेंच पर परीक्षण करने के लिए अच्छी तरह से डिजाइन किया गया है। गुणवत्ता नियंत्रण क्षेत्र (1)

क्लीन रूम : क्लीनरूम एक नियंत्रित वातावरण है जो धूल, वायुजनित रोगाणुओं और एयरोसोल कणों जैसे प्रदूषकों को फिल्टर करता है ताकि सबसे स्वच्छ क्षेत्र प्रदान किया जा सके। क्लीन रूम को नियंत्रित वातावरण के अंदर हवा के स्वच्छता स्तर के अनुसार वर्गीकृत किया जाता है। क्लीन रूम की श्रेणी स्वच्छता के स्तर के आधार पर होती है जो कमरे में प्रति घन मीटर हवा में अनुमत कणों की मात्रा और आकार के अनुसार सुसंगत होती है। नीचे उल्लिखित आईएसओ 14644 - 01 : 2015 के अनुसार कण सीमाएं (2)।

स्वच्छ पर्यावरण की आवश्यकताएं :

- हवा अत्यधिक (HEPA) फिल्टर की जाती है (99.97% / 0.3µm)
- लेआउट फिल्टर किए गए वायु प्रवाह में कण स्रोतों को कम करे।
- एयर फिल्टर प्रक्रिया द्वारा उत्पन्न अधिकांश कणों को हटा दे।

| | 0.3µm | 0.5µm | 1µm | 5µm |
|-------------|--------|---------|--------|-------|
| ISO Class 6 | 102000 | 35200 | 8320 | 293 |
| ISO Class 7 | | 352000 | 83200 | 2930 |
| ISO Class 8 | | 3520000 | 832000 | 29300 |

माइक्रोबियल विकास निगरानी प्रणाली :

टाई. पी. के अनुसार क्लीन रूम की निगरानी 2 तरीकों से माइक्रोबियल विकास के लिए की जाती है।

1. व्यक्तिगत निगरानी: वर्क बेंच पर किए जाने वाले प्रत्येक परीक्षण के दौरान की जाती है।
2. पर्यावरण निगरानी: मीडिया प्लेटों के निष्क्रिय और सक्रिय जोखिम दोनों के साथ साप्ताहिक आधार पर किया जाता है।

Type of Contaminations :

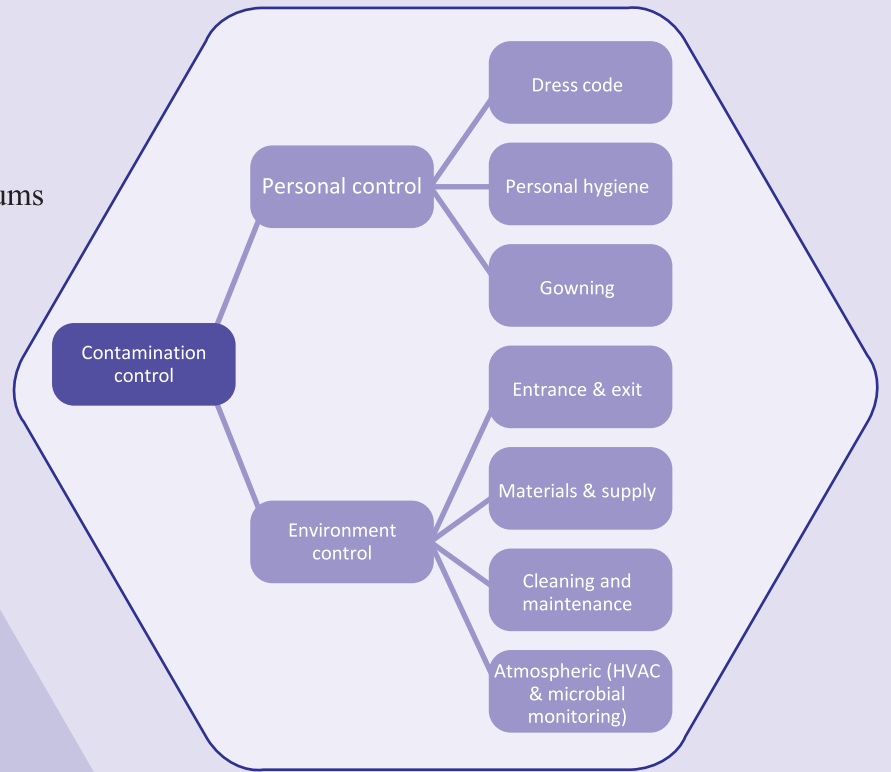
Praticulate : Dust, skin, hair, Makeop

Chemicals : Oil, Grease, Metalions, Perfums

Biologicals : Bacteria, Fungi

Contamination Sources :

- ❑ People
- ❑ Ventilation
- ❑ Room Structure
- ❑ Equipment



रोगाणुहीनता परीक्षण प्रयोगशाला के लिए उत्तम प्रयोगशाला प्रैक्टिस (जीएलपी) :

क्लीन रूम में स्वच्छता और साफ-सफाई रखी जाए। क्लीन रूम में प्रवेश करने से पहले, गाउनिंग ठीक से किया जाना चाहिए। उचित गाउनिंग ऑर्डर नीचे उल्लिखित है ;

Gowning Order :



सामग्री और विधि :

मीडिया

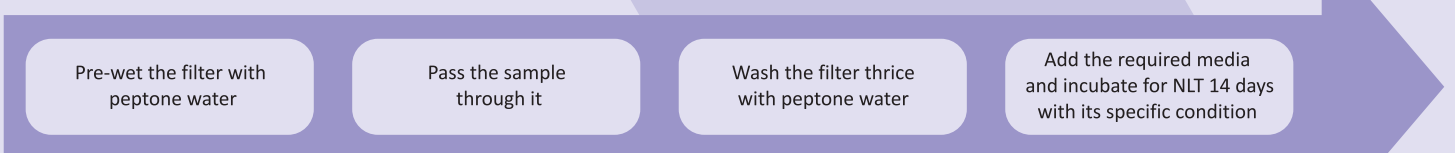
आईपी पैरेंट्रल जैविक उत्पादों के रोगाणुहीनता परीक्षण में उपयोग किए जाने वाले दो प्राथमिक प्रकार के कल्चर मीडिया का वर्णन करता है। (3)

- एरोबिक और एनारोबिक बैक्टीरिया का पता लगाने के लिए द्रव थायोग्लाइकोलेट मीडिया (एफटीएम)
- फंगस का पता लगाने के लिए सोयाबीन कैसन डाइजेस्ट ब्रोथ (एससीडीबी)

विधियाँ :

प्रत्यक्ष ट्रांसफर विधि : यह सबसे अधिक अपनाई जाने वाली विधि है और तैयारी के बाद परीक्षण उत्पाद को माध्यम में ट्रांसफर करके किया जाता है और निर्दिष्ट तापमान पर कम से कम (एनएलटी) 14 दिनों के लिए इनक्यूबेट किया जाता है।

मेंब्रेन फिल्ड्रेशन विधि :



इनक्यूबेशन शर्तें :

| क्र. सं. | ऑर्गेनिज्म | इनक्यूबेशन तापमान | इनक्यूबेशन टाइम |
|----------|---------------------|-------------------|-----------------|
| 1. | एरोबिक बैक्टीरिया | 30-35°C | NLT 14 |
| 2. | एनारोबिक बैक्टीरिया | 30-35°C | NLT 14 |
| 3. | फंगस | 20-25°C | NLT 14 |

विशिष्ट तापमान कल्चर मीडिया के साथ 14 दिनों के इनक्यूबेशन के बाद जीवों के किसी भी विकास को विजुअली देखा जाता है। परीक्षण वैधता के लिए नमूने के साथ सकारात्मक नियंत्रण और नकारात्मक नियंत्रण भी संचालित किए जाते हैं।

विकास संवर्धन परीक्षण (जीपीटी) :

मीडिया के नए बैच का परीक्षण यह जानने के लिए किया जाता है कि क्या यह मानक माइक्रोबियल कल्चर के विकास का समर्थन कर रहा है या नहीं, इसके लिए जीपीटी किया जाता है। भारतीय फार्माकोपिया के अनुसार विशिष्ट इनोकुलम आकार के साथ जीपीटी करने के लिए सात मानक कल्चर का उपयोग किया जाता है।



| S. No. | Name of the Organism (Positive Cultures) | ATCC No. |
|--------|--|----------|
| 1. | Clostridium sporogenes | 19404 |
| 2. | Pseudomonas aeruginosa | 9027 |
| 3. | Streptococcus aureus | 6538 |
| 4. | Bacillus subtilis | 6633 |
| 5. | Candida albicans | 10231 |
| 6. | Aspergillus brasiliensis | 16404 |
| 7. | Bacteroides vulgatus | 8482 |

रैपिड माइक्रोबियल विधि (आरएमएम): रैपिड माइक्रोबियल विधियों को रैपिड, सटीक और लागत प्रभावी माना जाता है। आरएमएम मौजूदा पारंपरिक विधि के बराबर या बेहतर होना चाहिए। एक रैपिड विधि होना वांछनीय है जो व्यवहार्य और नॉन-कल्चरेबल रोगाणुओं का पता लगा सकती है (3, 4-7)। रोगाणुहीनता परीक्षण प्रयोगशाला, एनआईबी ने पारंपरिक विधि के संबंध में कम समय में संदूषकों का पता लगाने के लिए वैकल्पिक आरएमएम अर्थात् एटीपी बायोल्यूमिनेसेंस आधारित किट विधि पर अध्ययन शुरू किया है।

एटीपी बायोल्यूमिनेसेंस तकनीक उन विधियों में से एक है, जिसमें एटीपी उत्पादन के आधार पर दूषित पदार्थों का पता लगाया जा सकता है। रोगाणुहीनता परीक्षण के लिए अन्य रैपिड वैकल्पिक विधियां इस प्रकार हैं:

- स्वचालित प्रणाली आधारित एटीपी बायोल्यूमिनेसेंस
- CO₂ उत्पादन आधारित पता लगाना
- एफएसीएस या किसी अन्य उपयुक्त विधियों के माध्यम से जीवित कोशिकाओं का पता लगाना

संदर्भ :

- ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स रूल्स, 1945, अनुसूची एम, 5. गुणवत्ता नियंत्रण क्षेत्र, 376
- आई.एस.ओ. 14644 - 01 : 2015, क्लीनरूम और संबंधित नियंत्रित वातावरण - भाग 1: कण सांद्रता द्वारा वायु स्वच्छता का वर्गीकरण
- भारतीय फार्माकोपिया 2022, खंड-1, 2.2.29-2.2.30, 128-138
- ओकुरा और ए मात्सुयामा, ट्रांसलेशनल बायोमेडिसिन, वर्तमान में ट्रांसलेशनल मेडिसिन के लिए उपलब्ध रैपिड माइक्रोबियल परीक्षण, आई. एस. एस. एन 2172-0479, 2016
- https://store-pda-org/TableOfContents/17308_TOC-pdf
- <https://www.americanpharmaceuticalreview.com/Featured-Articles/113093-Alternative-Microbiology-Methods-and-Pharmaceutical-Quality-Control/>
- <https://www.americanpharmaceuticalreview.com/Featured-Articles/113094-Rapid-Microbiology-Methods-in-the-Pharmaceutical-Industry/>
- एस. प्रवीण, एस. कौर, एस. ए. डेविड, जे. एल. केनी, डब्ल्यू. एम. मैककॉर्मिक, "टीकों और अन्य जैविक उत्पादों के रोगाणुहीनता परीक्षण के लिए विकास आधारित रैपिड माइक्रोबायोलॉजिकल विधियों का मूल्यांकन।" टीका 29: 8012-8023, 2011

दौरे :

- श्री सुधांशु पंत, आई. ए. एस, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने 8 सितंबर 2023 को डॉ. किरण, उप सचिव, एमओएचएफडब्ल्यू के साथ एनआईबी का दौरा किया। उन्होंने एनआईबी के वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की और सार्वजनिक स्वास्थ्य के हित में जैविकों के गुणवत्ता नियंत्रण के महत्व पर चर्चा की।
- डॉ दिलीप कुमार पांडा, तकनीकी अधिकारी, केंद्रीय औषधि प्रयोगशाला, कोलकाता ने विभिन्न एंजाइमों और हार्मोनों के गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण से संबंधित तकनीकी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए 21 और 22 सितंबर, 2023 को एंजाइम और हार्मोन प्रयोगशाला का दौरा किया।



प्रवीणता परीक्षण (पीटी) / एक्सटर्नल क्वालिटी एश्योरेंस स्कीम (ईक्यूएस)

- बायोकेमिकल किट प्रयोगशाला को क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री विभाग, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर द्वारा आयोजित रसायन विज्ञान II (ग्लूकोज, कोलेस्ट्रॉल, ट्राइग्लिसराइड, क्रिएटिनिन, यूरिक एसिड और एल्बुमिन) के लिए एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्स ऑफ इंडिया/क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज (एसीबीआई/सीएमसी) एक्सटर्नल क्वालिटी असेसमेंट स्कीम (ईक्यूएस)-2023 में नामांकित किया गया है। रसायन विज्ञान II के लिए परीक्षा दिनांक 06.07.2023, 04.08.2023 और 05.09.2023 को रखी गई थी और परीक्षा से प्राप्त परिणाम सीएमसी-ईक्यूएस वेबसाइट पर अपलोड किए गए थे।
- इम्यूनोडायग्नोस्टिक किट लैब ने मल्टीमार्कर ब्लड स्क्रीनिंग सीरोलॉजी प्रोग्राम के लिए एनआरएल, ऑस्ट्रेलिया से ईक्यूएस 2023 के दूसरे दौर में भाग लिया।
- आणविक निदान प्रयोगशाला ने एनआरएल-ऑस्ट्रेलिया द्वारा इवेंट -3 2023 एनएटी प्रवीणता परीक्षण के लिए आयोजित ईक्यूएस में भाग लिया है। प्रयोगशाला ने एचबीवी, एचसीवी, एचआईवी और गुणात्मक मल्टीमार्कर रक्त दाता स्क्रीनिंग की वायरल लोड निगरानी के लिए परीक्षण किए हैं।

तकनीकी विशेषज्ञ समिति की बैठकें :

- ★ डॉ. गौरी मिश्रा, सीकेटीएल- एमडीएल और एसआरआरडीयू प्रमुख ने बाहरी विशेषज्ञ के रूप में इनोवेटर्स के प्रश्नों के समाधान के लिए दिनांक 07.07.2023 और 04.08.2023 को बीआईआरएसी द्वारा आयोजित पहली हब बैठक में भाग लिया।
- डॉ. मीना कुमारी, बीपीएल प्रमुख, सुश्री कंचन आहूजा, बीआरएल प्रमुख, सुश्री वाई मधु, वैज्ञानिक ग्रेड- III, डॉ. मनोज कुमार, वैज्ञानिक ग्रेड- III और श्री तारा चंद, वैज्ञानिक ग्रेड- III ने दिनांक 25.09.2023 को भारतीय फार्माकोपिया आयोग, गाजियाबाद में आयोजित "विशेषज्ञ कार्य समूह-रक्त और रक्त से संबंधित उत्पादों की 8वीं बैठक" में भाग लिया।



कार्यशालाएं / सम्मेलन / सेमिनार :

- डॉ. चारु एम कमल, आरपीएल और ईएचएल प्रमुख, सुश्री वाई मधु, वैज्ञानिक ग्रेड- III, श्री एन नंद गोपाल, वैज्ञानिक ग्रेड - III, डॉ संजय मेंदीरत्ता वैज्ञानिक ग्रेड - III, श्री अनूप, जूनियर वैज्ञानिक, श्री मोहितलाल, लैब तकनीशियन ने दिनांक 18.07.2023 को नई दिल्ली में चार्ल्स रिवर लेबोरेटरीज द्वारा इनसाइट इनटु रीकेमबीनेंट एलएएल एंड ऑटोमेशन इन बीईटी पर आयोजित एक दिवसीय सेमिनार में भाग लिया।



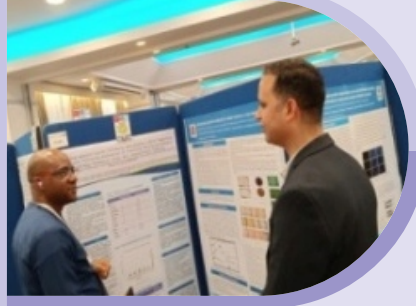
डॉ. चारु एम कमल, आरपीएल और ईएचएल प्रमुख, सुश्री रश्मि श्रीवास्तव, वैज्ञानिक ग्रेड - III और श्री डब्ल्यू.जेड. काजी, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी (प्र.) ने गोवा में राष्ट्रीय मानव संसाधन और विकास अकादमी द्वारा दिनांक 24.9.2023 से 27.09.2023 तक “कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम” पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया ।



डॉ. मीना कुमारी, बीपीएल प्रमुख, सुश्री वाई मधु, वैज्ञानिक ग्रेड - III, श्री अनूप, कनिष्ठ वैज्ञानिक श्री मोहितलाल, लैब तकनीशियन और श्री हितेश, लैब तकनीशियन ने दिनांक 01.09.2023 को नई दिल्ली में चार्ल्स रिवर लेबोरेटरीज द्वारा बीईटी की विभिन्न विधियों पर आयोजित एक दिवसीय हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण में भाग लिया ।



डॉ. हरीश चंद्र, उप निदेशक(गुणवत्ता नियंत्रण) और श्री सुभाष चंद्र, वैज्ञानिक ग्रेड III ने 24-27 सितंबर 2023 तक ग्लासगो, स्कॉटलैंड में आयोजित 17 वीं वैक्सीन कांग्रेस में भाग लिया । उन्होंने एनआईबीएससी वैज्ञानिकों के साथ वैज्ञानिक वार्ता के लिए दिनांक 28.09.2023 को 'नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर बायोलॉजिकल स्टैंडर्ड्स एंड कंट्रोल (एनआईबीएससी), यू. के. का भी दौरा किया ।



प्रशिक्षण :

- सीकेटीएल एंड एमडीएल में 03-07 जुलाई, 2023 तक पांच दिवसीय अल्पकालिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें “आरएनए एक्सट्रैक्शन सहित आरटी-पीसीआर पर प्रदर्शन और व्यावहारिक अभ्यास शामिल था ” ।
- रक्त उत्पाद प्रयोगशाला में 07-11 अगस्त 2023 तक “परमाणु अवशोषण स्पेक्ट्रोमेट्री (एएस) का उपयोग करके रक्त उत्पादों का गुणवत्ता नियंत्रण” नामक पांच दिवसीय संरचित प्रशिक्षण आयोजित किया गया ।
- वैक्सीन और एंटीसेरा प्रयोगशाला में 21-25 अगस्त 2023 और 18-22 सितंबर 2023 तक “जैविकों और टीकों के मूल्यांकन के लिए सेल कल्चर आधारित तकनीक” नामक पांच दिवसीय संरचित प्रशिक्षण आयोजित किए गए। इस कोर्स में कुल नौ प्रतिभागियों ने भाग लिया ।
- बायोकेमिकल किट प्रयोगशाला में 18-22 सितंबर 2023 तक “आंतरिक गुणवत्ता नियंत्रण और विधि सत्यापन की मूल बातें” नामक पांच दिवसीय संरचित प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में कुल 05 प्रतिभागियों ने भाग लिया ।
- एन आई बी नोएडा में विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग, झारखंड के 16 पोस्ट ग्रेजुएट जैव प्रौद्योगिकी छात्रों के लिए 21 अगस्त-2023 से 1 सितंबर-2023 तक जैविकों की गुणवत्ता नियंत्रण पर दो सप्ताह का आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया ।



सम्मान/पुरस्कार :

- डॉ. शिखा यादव, इन-विवो बायोएसे प्रयोगशाला और पशु सुविधा प्रमुख को एएएलएसी इंटरनेशनल काउंसिल ऑन एकेडिटेशन द्वारा वर्ष 2023 से 2026 तक की अवधि के लिए तदर्थ विशेषज्ञ के रूप में चुना गया है।
- डॉ. गौरी मिश्रा, वैज्ञानिक ग्रेड-II, एसआरआरडीयू, आणविक नैदानिक और कोविड किट परीक्षण प्रयोगशाला प्रमुख को एमएसएमई मंत्रालय और कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'इनरेस सी वी रमन पुरस्कार 2023' और 'इनरेस रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड 2023' से सम्मानित किया गया है।
- सुश्री गुरमिंदर बिंद्रा, वैज्ञानिक ग्रेड-III को दिनांक 09.08.2023 को नगर राजभाषा कार्यालयन समिति, नोएडा द्वारा आयोजित आशु भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।



आधिकारिक मान्यता :

एनआईबी ने जैविक और रासायनिक परीक्षण के क्षेत्र में परीक्षणों के बढ़े हुए दायरे के साथ 15 अगस्त 2025 तक आईएसओ / आईसी 17025: 2017 के लिए अपनी आधिकारिक मान्यता के नवीकरण की वैधता प्राप्त की।

हिंदी पखवाड़ा 2023 :

एनआईबी ने 14.09.2023 से 29.09.2023 तक सक्रियता और उत्साह के साथ हिंदी दिवस और हिंदी पखवाड़ा आयोजित किया। कार्यालय के नियमित कार्य में हिंदी भाषा के प्रयोग को प्रोत्साहित करने के लिए इस दौरान कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।



सेवानिवृत्ति

श्री प्रदीप कुमार, प्रशासनिक सहायक दिनांक 30.09.2023 को संस्थान की सेवाओं से सेवानिवृत्त हुए। एनआईबी उनके सुखी और स्वस्थ सेवानिवृत्त जीवन की कामना करता है।

आभार : समाचार पत्रक की संपादकीय टीम एनआईबी के सभी कर्मचारियों के योगदान के लिए आभार व्यक्त करती है।



राष्ट्रीय जैविक संस्थान

ए-32, सैक्टर-62, एनएच-24 के पास, नोएडा - 201 309, उत्तर प्रदेश
एनआईबी वेबसाइट : <http://nib.gov.in>, ई-मेल : info@nib.gov.in
फोन : 0120 - 2400072, 2400022 फैक्स : 0120-2403014

समाचार पत्रक से संबंधित किसी भी अन्य जानकारी / सुझावों / प्रश्नों के लिए कृपया संपर्क करें :
डॉ मंजुला किरण, एसोसिएट संपादक , ई-मेल : mkiran@nib.gov.in

कृपया संस्करण में सुधार करने हेतु आपके बहुमूल्य विचार और प्रतिक्रिया आमंत्रित है। हमें आपके उत्तर की प्रतीक्षा रहेगी !!!